ये अव्यक्त इशारे

समस्या मुक्त, समाधान स्वरूप बनो और बनाओ

21-09-2023

सर्व खजानों की बचत करने के लिए सहनशील बनो। सहनशील श्रेष्ठ आत्मा सदा ज्ञान-योग के सार में स्थित हो विस्तार को, समस्या को, विघ्नों को सार में ले आती है। जैसे लम्बा रास्ता पार करने में समय, शक्तियाँ समाप्त हो जाती हैं अर्थात् ज्यादा यूज़ होती हैं। ऐसे विस्तार है लम्बा रास्ता पार करना और सार है शार्टकट रास्ता पार करना। पार दोनों ही करते हैं लेकिन शार्टकट करने वाले समय और शक्तियों की बचत होने कारण निराश व दिलशिकस्त नहीं होते, सदा मौज में मुस्कराते पार करते हैं।

Become free from problems, become an embodiment of solutions and make others this also

In order to save all treasures, be tolerant. A tolerant soul will always be stable in the essence of knowledge and yoga and bring all expansion, problems and obstacles into their form of essence. Just as your time and energy are used up in going on a long road, in the same way, expansion is to overcome a long road and the essence is to take a short-cut. You go across both roads, but because one who takes a short-cut saves his time and energy, he is not hopeless or disheartened, but will always be smiling with pleasure.